गाजियाबाद में पावन चिन्तन धारा आश्रम प्रेरित 'युवा जागृति मिशन' के कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(19 मार्च 2023)

जय हिन्द!

गाजियाबाद की इस धरती पर आज एक अलग ही **आनन्द, उत्साह, उल्लास, दिव्यता और पवित्रता** का वातावरण दिखाई दे रहा है।

ये आनन्द, ये उल्लास, ये दिव्यता, ये पवित्रता यहां की आध्यात्मिक शक्ति, युवा ऊर्जा, मातृ शक्ति की सामूहिक एकता, एकरूपता और समरसता का ही परिणाम है।

आज यहां आध्यात्मिक नेता, युवाओं के मार्गदर्शक **प्रो. पवन सिन्हा 'गुरुजी! गुरु माँ डॉ. कविता अस्थाना जी!** नारी शक्ति की प्रतिनिधि के रूप में यहां उपस्थित राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष **श्रीमती रेखा शर्मा जी,** उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष **श्रीमती कुसुम कंडवाल जी,** राज्यसभा में यहां के लोकप्रिय **सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल जी,** उत्तर प्रदेश सरकार में **विधायक श्री अतुल गर्ग, श्री नंद किशोर गुर्जर जी, श्री अजीत पाल त्यागी जी, श्री सुनील शर्मा जी,** सनातन नारी की

समन्वयक **नेहा उन्नी जी** और युवा जागरण मिशन के राष्ट्रीय समन्वयक **श्री गर्वित विज जी** सहित यहां उपस्थित सम्मानित गणमान्य महानुभावों!

गाजियाबाद की इस धरती पर आप सभी के बीच आकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

आज का यह दिन अत्यन्त प्रेरणादायी **है। आज 'युवा अभ्युदय मिशन'** के पांच साल पूरे हो गये हैं।

पांच साल पहले वर्ष 2018 में 18 मार्च को प्रो0 पवन सिन्हा 'गुरुजी' ने इस **'युवा अभ्युदय मिशन'** को प्रारम्भ किया था।

इन पांच वर्षों की युवा अभ्युदय की टीम को **मैं हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।**

आपने श्री पवन सिन्हा 'गुरुजी के स्वप्नों को साकार करने का संकल्प लेकर जो कार्य प्रारम्भ किया है, वह समाज के लिए अत्यन्त प्रेरणादायी है।

देखिए महापुरुषों के संकल्प किस प्रकार समाज के कल्याण के लिए होते हैं, जैसे ही वर्ष 2018 में इस **'युवा अभ्युदय मिशन'** की स्थापना की कुछ दिनों बाद ही हमें दुनिया की सबसे बड़ी आपदा का सामना करना पड़ा।

कोविड–19 की वह विभीषिका मानो पूरी दुनिया को निगलने के लिए ही आयी हो।

लेकिन भारत की राजनीतिक शक्ति नें, आध्यात्मिक शक्ति नें, डाक्टरों, समाजसेवियों, दानदाताओं और असंख्य **युवाओं नें इस आपदा को कुछ ही समय में काबू मे ंकर लिया और उससे असंख्य लोगों की जिन्दगियों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।**

ऐसे इस लिए हुआ क्योंकि भारत और पूरी दुनियां की अच्छी शक्तियां एकत्रित हुई।

भारत को एक अच्छा और सच्चा नेतृत्व मिला। प्रो0 पवन सिन्हा गुरू जी जैसी दिव्य शक्तियां जागृत रही और आपदा ध्वस्त हो गयी।

आप में से वे बहुत से युवा बहुत ही सौभाग्यशाली हैं, जिन्हे युवा अभ्युदय मिशन के साथ जुड़ कर करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

आप सचमुच बहुत ही सौभाग्यशाली हैं जिन्हे 'युवा अभ्युदय मिशन' के माध्यम से ए**क उत्कृष्ट, सार्थक और परोपकारी जीवन के लिए स्नेहशील वातावरण और प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है।**

असंख्य युवा मिशन के साथ जुड़ कर समाज में एक बड़ा बदलाव लाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

असंख्य युवा समाज, परिवार और जीवन के हर क्षेत्र में, देश के लिए कुछ करने में सक्षम बन रहे हैं।

आज के समय में हमें जाग्रत युवा शक्ति की आवश्यकता है और यही भारत की युवा शक्ति के जागरण का भी उचित समय है।

पिछली सदी में राष्ट्र नायक स्वामी विवेकानन्द जी ने जो उद्घोष किया था एक बार फिर उसकी प्रतिध्वनि की आवश्यकता **है– उठो! जोगो और लक्ष्य प्राप्त होने तक रूको नहीं।**

सुसुप्त, दिग्भ्रमित, किंकर्तव्यविमूढ़ युवा हमारे राष्ट्र, समाज और संस्कृति का उत्कर्ष नही ंकर सकते।

इस लिये यह आवश्यक है कि हम एक युवा देश तो हो गये हैं लेकिन हमें एक महा शक्ति भी बनना है।

'युवा अभ्युदय मिशन' इसी मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। हमारी युवा शक्ति जागरूक बने, शारीरिक, मानसिक और वैचारिक रूप से स्वस्थ, तंदुरूस्थ बने। यह हमारी आवश्यकता है। यही हमारा संकल्प भी है।

ऐसे समय में युवाओं की शक्ति का समन्वय और युवा शक्ति का जागरण भी जरूरी है।

युवा शक्ति के बल पर ही हम भारतीय इतिहास, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, राजनीति, संस्कार और दैनिक जीवन में उत्कर्ष कर सकते हैं।

मुझे अत्यन्त खुशी हो रही है कि प्रो0 पवन सिन्हा गुरूजी के नेतृत्व में हमारे युवाओं में आत्म सम्मान, आत्म ज्ञान और आत्म शक्ति और आत्म बल, का जागरण हो रहा है।

भारत का हर एक युवा कुशल वक्ता बने, कुशल लेखक बनें, आर्टिफिसियल इंटैलिजैंस, मार्डन टैक्नॉजी, रिसर्च, इनोवेशन, स्टार्टअप्स और अलग–अलग अर्थो में उपस्थित अवसरों को पहचाने और चुनौतियों का समाधान खोजने में अपनी भूमिका निभाएं।

इसी से आपका जीवन अनन्त अर्थों में सार्थक बन सकता है।

आप स्वयं का देश और समाज का कल्याण कर सकते हैं। आप स्वयं की भी और दूसरों की भी मदद कर सकते हैं।

आज के समय में पर्यावरण सुरक्षा एक बड़े योगदान की मांग करती है, हमें पर्यावरण की रक्षा के लिए अलग–अलग स्तरों पर अलग–अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

भारत की युवा शक्ति को पर्यावरण की सुरक्षा और इसके संवर्धन के लिए आगे आना होगा।

आज भी हमारे समाज में ऐसी स्थिति है जहां एक बहुत बड़ी आबादी हाशिए पर जीवन व्यतीत कर रही है, ऐसे वंचित, और विकास की दौड़ में पीछे छूट गये हमारे बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और पोषण हम सबकी एक बड़ी जिम्मेदारी है।

मुझे खुशी है कि पावन चिंतन धारा आश्रम इस दिशा में अपने प्रकल्पों के माध्यम से चिंता कर रहा है।

ऋषि कुलशाला के माध्यम से निःशुल्क पढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है।

आज की युवा शक्ति हर क्षेत्र में देश का नाम रौशन कर रही हैं, लेकिन एक बड़ी युवा शक्ति आज भी प्रगति के सोपानों में पिछड़ रही है।

ऐसे में श्रीगुरुजी के मार्गदर्शन बहुत ही प्रेरणादायी है।

मुझे बहुत प्रसन्नता है कि श्री पवन सिन्हा ‘गुरुजी का मार्गदर्शन दूरदराज के क्षेत्रों में रह रहे युवाओं को भी प्राप्त हो रहा है।

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में, मध्यप्रदेश के गाँवों में गुरू जी ने युवा शक्ति के जागरण का कार्य अपने हाथों में लिया है, यह बहुत ही खुशी की बात है।

मुझे यह जानकर भी अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि आश्रम से जुड़े युवा सार्वजनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की है।

ये युवा न्यायतंत्र, सिविल सर्विसेज, फौज, चिकित्सा, शिक्षा में निकलकर नाम रोशन कर रहे हैं।

एक बहुत बड़ी संख्या में सेवा क्षेत्र में कार्य करना जीवन का लक्ष्य बना लिया है।

देश के युवाओं को रोजगार के प्रेरित करने के साथ साथ आज उन्हे उक सही मार्गदर्शन की बहुत बड़ी आवश्यकता है। युवाओं को जीवन में सफलता के लिए अपने परिवार देश और समाज की भलाई के लिए भी उच्चकोटि के मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

ऐसे बड़े संकल्प को लेकर कार्य कर रहे युवा अभ्युदय मिशन' के कार्यों को हार्दिक बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

इस युवा महोत्सव मे आज हमारे साथ नारी शक्ति का एक बहुत बड़ा समवाय यहां एकत्रित है।

मंच पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा सुश्री रेखा शर्मा जी हैं, वहीं उत्तराखण्ड महिला आयोग की अध्यक्षा श्रीमती कुसुम कण्डवाल जी भी हैं, और सबसे बडी बात

यह है कि यहां सनातन नारी का प्रतिनिधित्व कर रहीं गुरू माँकविता आस्थाना जी भी हैं।

नारी शक्ति की त्रिवेणी कहें या जिसे में शिव के त्रिशूल की शक्ति के रूप में देखता हूँ, यह हमें हमारी नारी शक्ति के अभ्युदय का प्रतिविम्ब प्रस्तुत करता है।

नेहा उन्नी जी यहां हैं जो सनातन नारी' की समन्वयक भी हैं, और आज हमने जो 'सनातन नारी' पुस्तिका का विमोचन किया है यह सब हमारी नारी शक्ति को हर दिशा में पहुंचाने का कार्य कर रही है।

'सनातन नारी' हमारी सनातन संस्कृति की ध्वजवाहिका है। सनातन काल से ही शक्ति के रूप में सरस्वती, लक्ष्मी, और दुर्गा के रूप में हमें अपनी सनातन शक्ति का वरदान भी दे रही हैं और उसकी अनुभूति भी करा रही हैं।

इस लिए भारत की नारी सनातन है। भारत की स्त्रियों की शक्ति भी सनातन है और स्थिति भी सनातन है।

जो मातृरूप में, विद्या रूप में लक्ष्मी रूप में, जया, लज्जा, शांति, तुष्टि और न जाने कितने रूपों में समाज का का पालन–पोषण और जागरण कर रही है एक बार फिर से हमारी 'सनातन नारी' का उत्कर्ष का यह समय है।

हमारे समाज के हर एक उच्चतम क्षेत्रों में विशिष्ट स्थितियों में हमारी नारी शक्ति है, हमारी बेटियां, हमारी बहुएं काम कर रही हैं।

एक समय था जब स्त्रियों को पीछे धकेल दिया गया था, वे पिछड़ गई थी परन्तु जब से भारतीय नारी का नया अभ्युदय हुआ है, नारी शक्ति का जागरण हुआ है, भारतीयता का गौरव बढ़ा है, तब से एक बार फिर भारत की नारी शक्ति का मनोबल आसमान छू रहा है।

पूरी दुनिया में नारी शक्ति एक बड़े नेतृत्व और सम्मान की भागीदारी बनी है।

आज के समय में भारत की नारी शक्ति साईकिल से लेकर जहाज तक, शिक्षिका से लेकर वैज्ञानिक होने तक देश और दुनिया में भारत का नाम रौशन कर रही है।

माता के रूप में उसका वात्सल्य मय रूप, कार्यक्षेत्र में कुशल नेता का रूप, घर–परिवार से लेकर देश और समाज में अपने नेतृत्व कौशल से भारतीय नारी हर एक क्षेत्र में आगे है।

यहां तो उत्तराखंड से कुसुम कण्डवाल जी भी आयी हैं, देखें उत्तराखण्ड की नारी शक्ति को जब मैं पहाड़ों में जाता हूँ तो उनके चेहरे पर एक अलग ही चमक होती

है, एक खुशी एक जीवंतता एक परिश्रमी जीवन का भाव होता है।

वहां की स्त्रियों का साहस अलग है, वे घर गृहस्थी भर संभालती हैं, जंगल जाकर लकड़ी भी बीनती हैं, पर्यावरण की रक्षा भी करती हैं बच्चों को शिक्षित भी करती हैं। पशुपालन करती है, अपने घर के लोगों को सेना में भी भेजती हैं।

उत्तराखण्ड की महिलाएं हर एक क्षेत्र में आगे हैं पुलिस में, फौज में, शिक्षा में, राजनीति में हर एक क्षेत्र में उत्तराखण्ड की महिलाएं हैं।

यहां उपस्थित कुसुम कण्डवाल जी तो इसका प्रत्यक्ष उदाहरण आपके सामने हैं। इन्होने राजनीतति के क्षेत्र में बहुत बड़ा नेतृत्व किया है। राजनीति में बड़े – बड़े पदों पर रही हैं।

यह सब मैं इस लिए कह रहा हूँ, क्योंकि कुछ समय पहले तक उत्तराखण्ड में भौगोलिक रूप से अनेक प्रकार की चुनौतियां थीं।

पहाड़ की जिन्दगी बहुत आसान नहीं होती, फिर भी आज उत्तराखण्ड के युवा, मातृशक्ति एक नेतृत्व की भूमिका में है।

इस लिए पूरे देश की नारी शक्ति को एक बड़े नेतृत्व के साथ बड़े सपनों के साथ आगे आना होगा।

भारतीय नारी, सनातन नारी के हमारे उत्कर्ष को बढ़ाना होगा।

आप सबने बहुत ही धैर्य पूर्वक मुझे सुना मैं आप सभी को दिल की गहराईयों से हार्दिक बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

और अन्त में मैं 'युवा जागृति मिशन' को हार्दिक बधाई देता हूँ।

एक जीवंत संगठन के रूप में भारत और विदेशों में हजारों युवा सदस्यों के साथ पवन सिन्हा 'गुरुजी के निर्देशन में जो पर्यावरण, शिक्षा और अन्य सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में काम कर हैं, आप जो चैनल, जो प्रोडक्शन हाउस और जिन मैगजीन का संचालन कर रहे हैं मैं आप की सभी उपलब्धियों के हार्दिक बधाई देता हूँ। युवा अभ्युदय के संकल्प को पूरा करने के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द